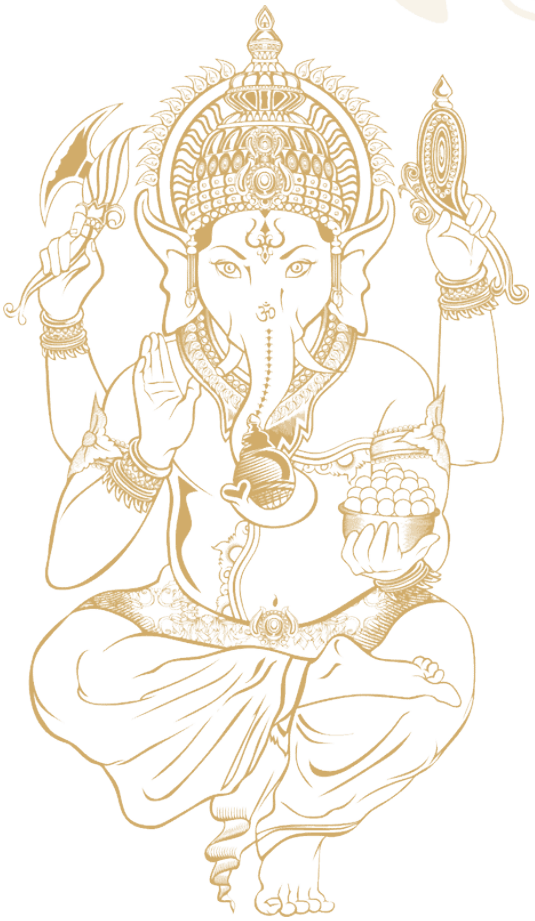

25 Jan 2026

03:37 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121315305

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/01/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**15:37:00 घंटे**
इष्ट	22:57:11 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:57:16 घंटे
वेलान्तर	-00:12:16 घंटे
साम्पातिक काल	00:16:11 घंटे
सूर्योदय	06:26:07 घंटे
सूर्यास्त	17:18:14 घंटे
दिनमान	10:52:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	11:13:11 मकर
लग्न के अंश	20:06:51 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	20:06:51	316:55:15	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	---
सूर्य			मक	11:13:11	01:01:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	01:09:59	13:50:59	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	07:21:50	00:46:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	13:46:50	01:42:57	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:54:41	00:07:24	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	15:41:44	01:15:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	03:47:33	00:05:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	15:11:41	00:01:00	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	15:11:41	00:01:00	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:16:39	00:00:30	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:44:38	00:01:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:15:49	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	10:11:24	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

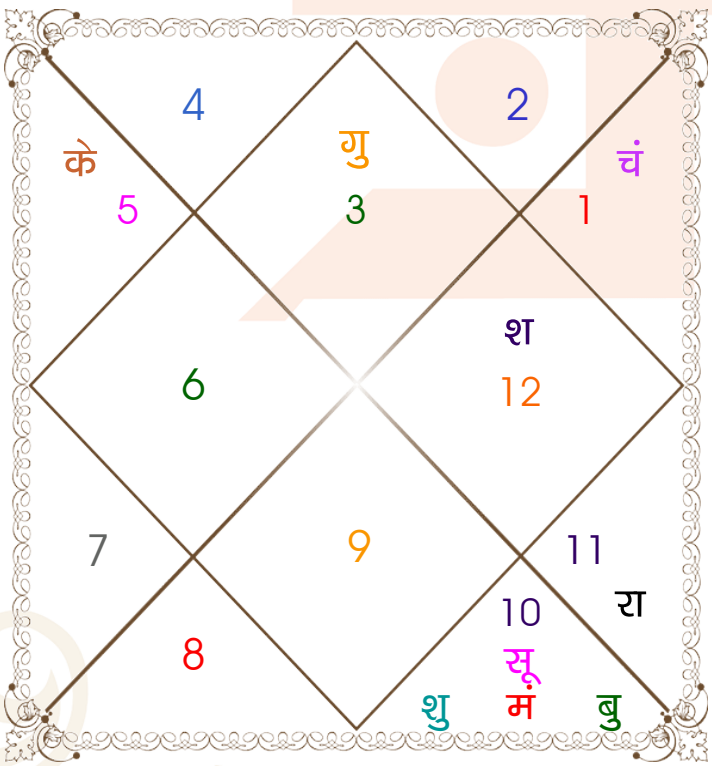

चन्द्र कुंडली

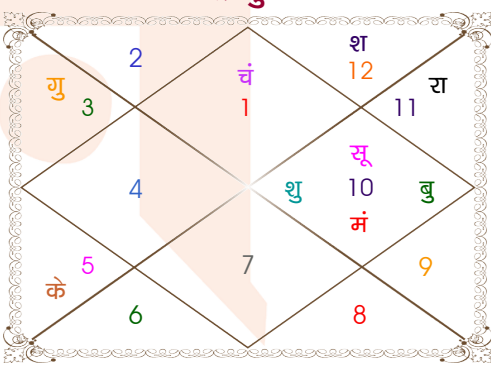

नवमांश कुंडली

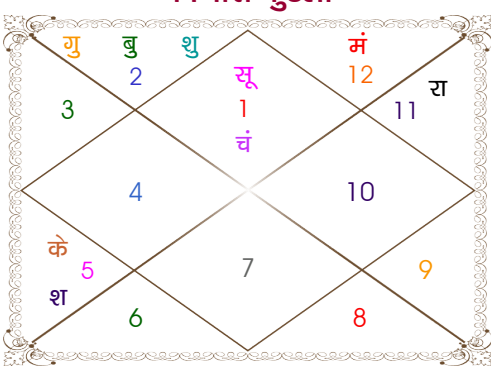

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 4 मास 19 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/01/2026		15/06/2032		15/06/2052		16/06/2058		15/06/2068	
15/06/2032		15/06/2052		16/06/2058		15/06/2068		16/06/2075	
	25/01/2026	शुक्र	16/10/2035	सूर्य	03/10/2052	चंद्र	16/04/2059	मंगल	11/11/2068
शुक्र	12/01/2027	सूर्य	15/10/2036	चंद्र	03/04/2053	मंगल	15/11/2059	राहु	30/11/2069
सूर्य	20/05/2027	चंद्र	16/06/2038	मंगल	09/08/2053	राहु	16/05/2061	गुरु	06/11/2070
चंद्र	19/12/2027	मंगल	16/08/2039	राहु	04/07/2054	गुरु	15/09/2062	शनि	16/12/2071
मंगल	16/05/2028	राहु	16/08/2042	गुरु	22/04/2055	शनि	15/04/2064	बुध	12/12/2072
राहु	03/06/2029	गुरु	16/04/2045	शनि	03/04/2056	बुध	15/09/2065	केतु	10/05/2073
गुरु	10/05/2030	शनि	15/06/2048	बुध	08/02/2057	केतु	16/04/2066	शुक्र	10/07/2074
शनि	19/06/2031	बुध	16/04/2051	केतु	15/06/2057	शुक्र	16/12/2067	सूर्य	15/11/2074
बुध	15/06/2032	केतु	15/06/2052	शुक्र	16/06/2058	सूर्य	15/06/2068	चंद्र	16/06/2075

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/06/2075		15/06/2093		16/06/2109		16/06/2128		16/06/2145	
15/06/2093		16/06/2109		16/06/2128		16/06/2145		00/00/0000	
राहु	26/02/2078	गुरु	04/08/2095	शनि	19/06/2112	बुध	13/11/2130	केतु	13/11/2145
गुरु	22/07/2080	शनि	14/02/2098	बुध	27/02/2115	केतु	10/11/2131	शुक्र	26/01/2146
शनि	29/05/2083	बुध	23/05/2100	केतु	07/04/2116	शुक्र	10/09/2134		00/00/0000
बुध	15/12/2085	केतु	29/04/2101	शुक्र	08/06/2119	सूर्य	17/07/2135		00/00/0000
केतु	03/01/2087	शुक्र	29/12/2103	सूर्य	20/05/2120	चंद्र	16/12/2136		00/00/0000
शुक्र	02/01/2090	सूर्य	16/10/2104	चंद्र	19/12/2121	मंगल	13/12/2137		00/00/0000
सूर्य	27/11/2090	चंद्र	15/02/2106	मंगल	28/01/2123	राहु	01/07/2140		00/00/0000
चंद्र	28/05/2092	मंगल	22/01/2107	राहु	04/12/2125	गुरु	07/10/2142		00/00/0000
मंगल	15/06/2093	राहु	16/06/2109	गुरु	16/06/2128	शनि	16/06/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 4 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहते हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगे। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगे तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगे तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि के प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहते हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहते हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकते हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगा। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाते हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करते हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपनी पत्नी एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगे। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन संगिनी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य स्त्री के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाले तथा विचलित हो जाने वाले व्यक्ति हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकते हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगे। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते। आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं

परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।